इंदिरा रसोई योजना (ग्रामीण)

- संकल्प - कोई भूखा ना सोए
- शुरुआत- 10 सितंबर 2023
- शुभारंभ - सीएम अशोक गहलोत द्वारा झिलाय क्षेत्र, निवाई (टोंक) से
- प्रथम चरण में 10 सितंबर 2023 को 400 ग्रामीण रसोइयों का शुभारंभ किया।
- बजट घोषणा 2023 - 24 के अनुसार राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों में 1000 इंदिरा रसोई खोलने की घोषणा।
- 25 सितंबर तक ग्रामीण क्षेत्रों में 1000 इंदिरा रसोई खोली जाएगी।
- योजना के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में एक वर्ष में 7.3 करोड़ थालिया परोसने का लक्ष्य रखा गया।
- इन इंदिरा रसोइयों का संचालन राजीविका की महिलाओं द्वारा किया जाएगा
- इंदिरा रसोई योजना की शुरुआत - 20 अगस्त 2020

A UNIT OF M.R.C. GROUP
च्यवन प्रकाशन

FACTS 79

GGD OPD

FACTS 80

गणेश चतुर्थी - भाद्रपद शुक्ल चतुर्थी
राजस्थान के प्रमुख गणेश मंदिर

- त्रिनेत्र गणेश मंदिर - रणथम्भौर
  विश्व का एकमात्र मंदिर जहां केवल मुख की पूजा की जाती है
  भाद्रपद शुक्ल चतुर्थी को मेला लगता है
- हेरम्ब गणपति मंदिर - जूनागढ़ (बीकानेर)
  निर्माण : अनूपसिंह द्वारा
  मूषक पर सवार न होकर सिंह पर सवार प्रतिमा
- मोती डुंगरी गणेश मंदिर - जयपुर
  निर्माण : माधोसिंह प्रथम द्वारा
  यह मूर्ति माधोसिंह प्रथम की पत्नी मावली से लेकर आई थी
- गढ़ गणेश - जयपुर
- खड़े गणेश जी - कोटा
- नाचणा गणेश जी - अलवर
- बाजणा गणेश आबू (सिरोही)
- चुंघी गणेश - जैसलमेर

गणेश जी की सवारी - मूषक
गणेश जी की प्रिय मिठाई - मोदक

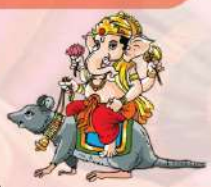

A UNIT OF M.R.C. GROUP
च्यवन प्रकाशन

संसद का विशेष सत्र

- चर्चा में - केंद्र सरकार ने 18 सितम्बर से 22 सितम्बर 2023 तक विशेष सत्र बुलाया है जिसमें 05 बैठके होगी।
- अनु. 85 (1) राष्ट्रपति द्वारा निर्णय - संसदीय मामलों की केबिनेट समिति द्वारा ।

नोट : संविधान में विशेष सत्र का कोई प्रावधान नही है लेकिन आमतौर पर अहम विधायी और राष्ट्रीय घटनाओं से जुड़ी स्थिति पर सरकार को राष्ट्रपति के आदेश पर विशेष सत्र बुलाने का अधिकार है।

- 14-15 अगस्त 1947 को भारत की स्वतंत्रता की पूर्व संध्या पर भारतीय संसद को ब्रिटिश अधिकारियों द्वारा भारतीयों को सत्ता सौपने के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया था।
- 8-9 नवंबर, 1962 को भारत-चीन युद्ध की स्थिति पर चर्चा के लिये बुलाया गया
- 14-15 अगस्त, 1972 भारत की स्वतंत्रता 25 वर्ष पूर्ण होने पर
- 9 अगस्त, 1992 को भारत छोड़ो आंदोलन की 50 वीं वर्षगांठ
- 14-15 अगस्त, 1997 स्वतंत्रता के 50 वर्ष पूर्ण होने पर
- 26 अगस्त - 01 सितम्बर, 1997 देश के 50 वर्षो की विकास यात्रा पर चर्चा
- 26-27 नवंबर, 2015 डॉ. बी.आर. अम्बेडकर की 125 वीं जयंती पर
- 30 जून, 2017 देश में जी.एस.टी. लागू करने के लिये
- 18-22 सितम्बर 2023 तक संविधान सभा से लेकर आज तक 75 वर्ष तक के सफर, अनुभवों व उपलब्धियों पर विशेष चर्चा ।

आमतौर पर तीन सत्र : - 1. बजट सत्र - (जनवरी से मार्च) 2. मानसून सत्र - (जुलाई से अगस्त) 3. शीतकालीन सत्र - (नवंबर से दिसम्बर)

GGD OPD FACTS 81

GGD OPD FACTS 82

नारी शक्ति वंदन अधिनियम

- कानून मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री अर्जुनराम मेघवाल द्वारा 19 सितम्बर 2023 को
- लोकसभा में पेश। (128 वां संविधान संशोधन विधेयक)
- इस अधिनियम के तहत लोकसभा व राज्यों की विधानसभाओं में महिलाओं को 33% आरक्षण देने का प्रावधान।

नोट :- नारी शक्ति वंदन विधेयक देश के उच्च सदन राज्यसभा तथा विधानपरिषदों पर लागू नही होगा।

विधेयक में खास :-

- लोकसभा में 543 में से 181 सीटें केवल महिलाओं के लिए आरक्षित होगी। (वर्तमान लोकसभा में महिला सांसद - 82)
- महिलाओं की आरक्षित सीट में SC/ST के लिए आरक्षण होगा।
- एच.डी. देवगौड़ा सरकार ने 81 वें संविधान संशोधन विधेयक के रूप में 12 सितम्बर 1996 को इस बिल को संसद में पेश किया था लेकिन पारित नही हुआ।
- यूपीए सरकार ने 2008 को 108 वें संविधान संशोधन विधेयक के रूप में इस बिल को राज्यसभा में पेश किया था जो कि 9 मार्च 2010 को राज्यसभा में पास हो गया था।
- यह अधिनियम कानून बनने के बाद तीन चरणों में 15 साल के लिए लागू होगा।

संविधान के अनुच्छेदों में संशोधन :-

अनु. 239 (AA) -2 (ख) :- राजधानी दिल्ली की विधानसभा में महिलाओं को 33% आरक्षण

अनु. 330 (A) :- लोकसभा में 33% सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित

अनु. 332 :- राज्यों की विधानसभा में 33% सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित

अनु. 334 :- (A) :- महिला आरक्षण की अवधि 15 वर्ष होगी।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम के लिए अब तक के प्रयास

वर्ष	प्रयास
1996	तत्कालीन प्रधानमंत्री **एचडी देवेगौड़ा** ने महिला आरक्षण बिल पेश किया, लेकिन **विरोध** के कारण **पास नहीं हो सका**
1998	**अटल बिहारी वाजपेयी** की सरकार दोबारा बिल लेकर सदन पहुंची, **विरोध** में बिल की कॉपियां सदन में **फाड़ी गईं**
1999	**वाजपेयी सरकार** ने फिर विधेयक को लोकसभा में पेश किया, लेकिन **विरोध** के कारण **पास नहीं हो सका**
2002	**वाजपेयी सरकार** ने तीसरी बार विधेयक को सदन में पेश किया, फिर **विरोध** हुआ और बिल **पास नहीं हो सका**
2003	**वाजपेयी सरकार** ने फिर बिल पारित कराने की कोशिश की, लेकिन **विरोध** के **कारण सफल नहीं हुई**
2008	**UPA सरकार** ने बिल को **राज्यसभा** में पेश किया
2010	**UPA सरकार** में बिल राज्यसभा में पारित हुआ, लेकिन **सपा व आरजेडी** के **विरोध** के कारण कांग्रेस ने बिल को **लोकसभा में पेश नहीं किया**

गौरव सिंह घाणेराव सर द्वारा अनूठी मुहिम ...
हर सुबह की शुरुआत GGD FACTS के साथ ...

GGD OPD

FACTS 83

संसद सदन

✦ स्थित	- नई दिल्ली	✦ लोकसभा की सीटें	-	888
✦ आधारशिला	- 10 सितम्बर 2020 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा सेन्ट्रल विस्टा प्रोजेक्ट के तहत	✦ राज्यसभा की सीटें	-	384
✦ आर्किटेक्ट	- विमल पटेल	✦ लोकसभा चेम्बर की थीम	-	मोर
✦ आकार	- त्रिभुजाकार (4 मंजिला ईमारत है)	✦ राज्यसभा चेम्बर की थीम	-	कमल का फूल
✦ गेट	- 3 (ज्ञान द्वार, शक्ति द्वार, कर्म द्वार)	✦ क्षेत्रफल	-	64,500 वर्ग मीटर
✦ डिजाईन	- HCP डिजाइंस कंपनी (गुजरात) द्वारा	✦ संयुक्त अधिवेशन	-	लोकसभा में (पुरानी संसद भवन में सेन्ट्रल हॉल में बुलाया जाता था)
✦ निर्माण	- टाटा प्रोजेक्ट्स लिमिटेड द्वारा			
✦ उद्घाटन	- 28 मई 2023 (प्रधानमंत्री द्वारा)	✦ समिति कक्ष	-	6

- नये संसद भवन के उद्घाटन पर 75 ₹ का सिक्का जारी किया गया
- सिक्के के एक तरफ अशोक स्तम्भ तथा दूसरी तरफ संसद की तस्वीर है।
- संसद भवन की छत पर 9500 किलोग्राम का राष्ट्रीय प्रतीक अशोक स्तम्भ है।

गौरव सिंह घाणेराव सर द्वारा अनूठी मुहिम ... हर सुबह की शुरुआत GGD FACTS के साथ ...

GGD OPD

FACTS 84

संगोल इतिहास

A UNIT OF M.R.C. GROUP
च्यवन प्रकाशन

धार्मिक महत्व

- संगोल का मतलब शंख होता है
- हिंदू धर्म में शंख पवित्र माना जाता है
- भारतीय सम्राट की शक्ति अधिकार का प्रतीक है।

ऐतिहासिक पहचान साम्राज्य पर अधिकार दर्शाने में इसका इस्तेमाल

मौर्य साम्राज्य में - 322-185 ईसा पूर्व	चोल साम्राज्य में - 907-1310 ईस्वी
गुप्त साम्राज्य में - 320-550 ईस्वी	विजय नगर साम्राज्य में - 1336-1646 ईस्वी

- संगोल की लम्बाई 5 फीट है।
- इसके शीर्ष पर नंदी की नक्काशी की गई है।
- भारत के चोल साम्राज्य की निशानी है।
- ये निष्पक्ष और न्यायपूर्ण शासन का प्रतीक था।
- चोल साम्राज्य में जब कोई राजा सत्ता दूसरे राजा को देता था तो वह संगोल भी उस राजा को देता था।
- अंग्रेजों ने इसे सत्ता हस्तातंरण के रूप में सौंपा था।
- यह संगोल सर्वप्रथम लार्ड माउण्टबेटन को तमिलनाडू के एक पुरोहित ने दिया था।
- लार्ड माउण्टबेटन ने भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरु को 1947 ई. में सौंपा था जिसे इलाहाबाद म्यूजियम में रखा गया।

28 मई 2023 को भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस संगोल की स्थापना लोकसभा अध्यक्ष की कुर्सी के बगल में की थी।

गौरव सिंह घाणेराव सर द्वारा
अनूठी मुहिम ... हर सुबह की
शुरुआत GGD FACTS के साथ ...

GGD OPD FACTS 85

ख्याल

लोकनाट्य की सबसे लोकप्रिय विधा।

इसमें धार्मिक, सामाजिक, ऐतिहासिक, पौराणिक व्याख्यानों को पदबद्ध तरीके से गाकर प्रस्तुत किया जाता है।

राजस्थान की विभिन्न ख्याले

बिड़ावा ख्याल	- शेखावाटी क्षेत्र में
कुचामनी ख्याल	- डीडवाना-कुचामन में
हेला ख्याल	- लालसोट (दौसा),
	- स. माधोपुर, गंगापुर सिटी
अली बख्शी ख्याल	- खैरथल तिजारा में
कन्हैया ख्याल	- स. माधोपुर, धौलपुर, भरतपुर, डीग, करौली, गंगापुर सिटी
भेंट के दंगल	- धौलपुर
ढपाली ख्याल	- अलवर, खैरथल तिजारा, बहरोड़- कोटपुतली, डीग, भरतपुर

विशेष :

- कुचामनी ख्याल के प्रवर्तक लच्छीराम थे।
- हेला ख्याल की प्रमुख विशेषता लम्बी टेर देना है
- शेखावाटी ख्याल को नानुराम ने प्रसिद्धि दिलाई
- कन्हैया ख्याल का मुख्य पात्र "मेडिया" कहलाता है।

A UNIT OF M.R.C. GROUP
च्यवन प्रकाशन

गौरव सिंह घाणेराव सर द्वारा
अनूठी मुहिम ... हर सुबह की
शुरुआत GGD FACTS के साथ ...

GGD OPD FACTS 86

खेजड़ली मेला

- ✓ जोधपुर ग्रामीण जिले के अन्तर्गत खेजड़ली ग्राम में
- ✓ भाद्रपद शुक्ल दशमी को मेला लगता है।
- ✓ यह विश्व का एकमात्र वृक्ष मेला है।
- ✓ इस दिन संवत् 1787 (सन् 1730 ई.) में खेजड़ी के वृक्षों की रक्षा के लिए अमृता देवी के नेतृत्व में 363 स्त्री-पुरुषों ने अपने प्राणों की आहूति दी।
- ✓ खेजड़ली आन्दोलन के समय जोधपुर के शासक अभय सिंह जी थे।
- ✓ अभयसिंह जी के मंत्री का नाम - गिरधारी सिंह
- ✓ खेजड़ली ग्राम विश्नोई समाज का पवित्र स्थल है।
- ✓ 1978 ई. से 12 सितम्बर को खेजड़ली दिवस के रूप में मनाया जाता है।
- ✓ सन् 1730 ई. में जोधपुर महाराजा द्वारा हरे पेड़ों को काटने से बचाने के लिए अमृता देवी ने अपनी तीन बेटियों (आसू, भागू, रतनी) सहित 363 (69 महिलाएं व 294 पुरुष) शहीद हुए।
- ✓ अमृता देवी मृगवन - खेजड़ली
- ✓ वन संरक्षण के क्षेत्र में अमृतादेवी स्मृति पुरस्कार दिया जाता है।
- ✓ नोट : भाद्रपद शुक्ल दशमी को खरनाल (नागौर) और परबतसर (डीडवाना कुचामन) में वीर तेजाजी मेले का आयोजन होता है।

गौरव सिंह घाणेराव सर
द्वारा अनूठी मुहिम ...
हर सुबह की शुरुआत
GGD FACTS के साथ ...

GGD
OPD
FACTS 87

विश्व पर्यटन दिवस

विश्व पर्यटन दिवस - 27 सितम्बर

27 सितम्बर 1980 को पहली बार संयुक्त राष्ट्र विश्व पर्यटन संगठन द्वारा विश्व पर्यटन दिवस मनाया गया।

27 सितम्बर 1970 ई. को संयुक्त राष्ट्र विश्व पर्यटन संगठन का कानून स्वीकार किया गया इसलिए 27 सितम्बर को विश्व पर्यटन दिवस मनाया जाता है।

विश्व पर्यटन दिवस 2023 की थीम ''पर्यटन और हरित निवेश''

- विश्व पर्यटन संगठन की स्थापना - 1946
- मुख्यालय - मेड्रिड (स्पेन)
- महासचिव - जुराब पोलोलिकाश्विली
- सदस्य - 160 सदस्य राज्य
- 6 सहयोगी सदस्य

नोट :- राष्ट्रीय पर्यटन दिवस 25 जनवरी को मनाया जाता है।
राष्ट्रीय पर्यटन दिवस मनाने की शुरुआत 1948 को हुई।

गौरव सिंह घाणेराव सर
द्वारा अनूठी मुहिम ...
हर सुबह की शुरुआत
GGD FACTS के साथ ...

GGD
OPD
FACTS 88

मुइनुद्दीन चिश्ती की दरगाह (एक नजर में...)

- स्थान - अजमेर
- निर्माण प्रारंभ - इल्तुतमिश द्वारा
- सर्वप्रथम पक्की मजार का निर्माण - ग्यासुद्दीन मो. खिलजी (मालवा)
- बुलंद दरवाजा - ग्यासुद्दीन खिलजी द्वारा
- बड़ी देग - अकबर द्वारा (1567)
- छोटी देग - जहाँगीर द्वारा (1613)
- निजाम द्वार - हैदराबाद के निजाम मीर उस्मान अली खान द्वारा
- मुख्य मजार का द्वार - जहांआरा द्वारा
- जुमा मस्जिद - शाहजहां द्वारा (2 लाख 40 हजार खर्च)
- उपनाम - भारत का मक्का

गौरव सिंह घाणेराव सर
द्वारा अनूठी मुहिम ...
हर सुबह की शुरुआत
GGD FACTS के साथ ...

GGD OPD FACTS 89

चन्द्रयान-3

- चन्द्रयान-3 को 14 जुलाई 2023 को सतीश धवन अंतरिक्ष केन्द्र, श्रीहरिकोटा से इसरो द्वारा लांच किया गया।
- चन्द्रयान -3 को LVM-M4 रॉकेट द्वारा लॉंच किया गया (LVM-Launch Vehicle Mark)
- मिशन चन्द्रयान - 3 की थीम - "Science of the Moon"
- चन्द्रयान-3 के लैण्डर का नाम "विक्रम" व रोवर का नाम "प्रज्ञान" था।
- चन्द्रयान - 3 ने 23 अगस्त 2023 को चन्द्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर लैंडिग की ।
- चन्द्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर पहुंचने वाला विश्व का पहला देश भारत बना।
- चन्द्रयान-3 को 14 जुलाई 2023 को 2:35 PM पर लांच किया गया ।
- चन्द्रयान-3 की लैंडिग 23 अगस्त 2023 को 6:04 PM पर हुई।

चन्द्रयान लॉंचिंग डेट

चन्द्रयान - 1 : 22 अक्टुबर 2008
चन्द्रयान - 2 : 22 जुलाई 2019
चन्द्रयान - 3 : 14 जुलाई 2023

- मिशन चन्द्रयान 3 के समय इसरो के अध्यक्ष एस. सोमनाथ थे।
- चन्द्रयान - 3 के मॉड्यूल - प्रोपल्शन, लैंडर व रोवर
- मिशन चन्द्रयान-3 की सफलता पर भारत के प्रधानमंत्री द्वारा की गई घोषणाएं-
  - ☆ चन्द्रयान 3 के लैंडिंग स्थान को शिव शक्ति पॉइंट के नाम से जाना जायेगा।
  - ☆ 23 अगस्त को राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस के रुप में मनाया जाएगा ।
  - ☆ चन्द्रयान - 2 के पदचिन्ह स्थान को तिरंगा के नाम से जाना जाएगा।

चन्द्रयान-3 PART-2

गौरव सिंह घाणेराव सर
द्वारा अनूठी मुहिम ...
हर सुबह की शुरुआत
GGD FACTS के साथ ...

GGD OPD FACTS 90

- चन्द्रयान-3 मिशन का नेतृत्व सी. रितु करिधल ने किया था।
- चन्द्रयान-3 मिशन निदेश - एस.मोहन कुमार
- परियोजना निदेशक - पी. वीरमुथुवेल
- उपपरियोजना निदेशक - कल्पना
- एसोसिएट मिशन निदेशक - जी. नारायणन

☆ मिशन चन्द्रयान में कुल खर्चा चन्द्रयान - 1 - 386 करोड़
चन्द्रयान-2 - 978 करोड़ चन्द्रयान-3 - 615 करोड़

इसरो पूरा नाम : Indian Space Research Organisation
भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन

- मुख्यालय : बेंगलूरु
- स्थापना : 15 अगस्त 1969
- अध्यक्ष : एस. सोमनाथ
- प्रथम अध्यक्ष : विक्रम साराभाई

GGD OPD FACTS 91

अमृत भारत स्टेशन योजना

शुरुआत 6 अगस्त 2023

इस योजना में राजस्थान के दो रेल्वे स्टेशन
- सांगानेर रेल्वे स्टेशन (जयपुर मण्डल)
- अनूपगढ़ रेल्वे स्टेशन (बीकानेर मण्डल)

राजस्थान इण्टरनेशनल फिल्म फेस्टिवल

संस्करण	10 वां
आयोजन	27 से 31 जनवरी 2024
आयोजन स्थल	'द जैम सिनेमा', जयपुर
थीम	'यूथ एवं फिल्म हेरिटेज'

जयपुर की इति आचार्य को 'प्राइड ऑफ राजस्थान' अवॉर्ड से सम्मानित किया गया।

इंडिया स्टोन मार्ट - 2024

संस्करण	12 वां
आयोजन	1 से 4 फरवरी 2024
आयोजन स्थल	सीतापुरा, जयपुर
उद्घाटन	मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा

गौरव सिंह
घाणेराव सर द्वारा
अनूठी मुहिम ... हर सुबह
की शुरुआत GGD FACTS के साथ ...

GGD OPD FACTS 92

राजस्थानी चित्रकला में भित्तिचित्र/ चित्र निर्माण के प्रमुख केंद्र/स्थल

- चितेरों की ओवरी तस्वीरों रो कारखानों-उदयपुर चित्र शैली
- मोती महल कपड़ द्वार अज़ारों की ओवरी- देवगढ़ चित्र शैली
- चोखेलाव महल-जोधपुर चित्र शैली
- शीशमहल-अलवर चित्र शैली
- सूरतखाना-जयपुर चित्र शैली
- मुसव्विर खाना-कोटा चित्र शैली
- रंगमहल -(छत्रशाल) चित्रशाला- उम्मेदसिंह - बूंदी

महात्मा गांधी

२ अक्टूबर विशेष

- जन्म : 2 अक्टूबर 1869 ई. पोरबंदर (गुजरात)
- पिता : कर्मचंद गांधी
- माता : पुतली बाई
- पत्नी : कस्तूरबा गांधी
- पुत्र : 4 (रामलाल, मणिलाल, देवदास, हरिलाल)
- राजनैतिक गुरु : गोपाल कृष्ण गोखले

गांधी जी की उपाधियां

- राष्ट्रपिता : सुभाष चन्द्र बोस द्वारा (भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान)
- बापू : जवाहर लाल नेहरू द्वारा (खेड़ा आंदोलन के दौरान)
- महात्मा : रविन्द्र नाथ टैगोर द्वारा (सत्याग्रह आंदोलन के समय)
- टन मैन वाउण्ड्री फोर्स : माउण्टबेटन द्वारा
- अर्द्धनंगा फकीर : विंस्टन चर्चिल द्वारा
- प्रोफेशनल लीडर : रोमारोला द्वारा
- राजनीतिक संत : एनी बिसेंट द्वारा

पुस्तकें

- आत्मकथा : सत्य के साथ मेरे प्रयोग (गुजराती भाषा)
- पुस्तकें : सर्वोदय, सत्याग्रह, आत्मा शुद्धि राष्ट्रवाणी, हिंद स्वराज आदि
- समाचार पत्र : इण्डियन ओपिनियन (साप्ताहिक अंग्रेजी), यंग इण्डिया, हरिजन (अंग्रेजी में), हरिजन सेवक, हरिजन बंधू व नवजीवन (हिंदी में)

- गांधी जी द्वारा पहली बार सत्याग्रह का प्रयोग 1906 ई. में किया गया।
- भारत में गांधी जी द्वारा प्रथम सत्याग्रह चम्पारन में किया गया।

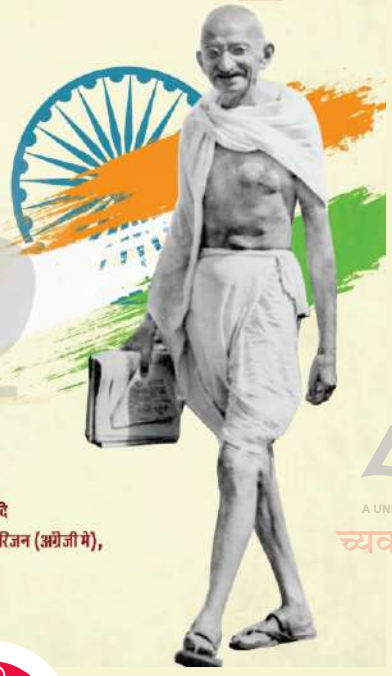

FACTS 93

GGD OPD

FACTS 94

राजस्थान के प्रमुख सांस्कृतिक कार्यक्रम स्थल PART-1

1. जवाहर कला केन्द्र-जयपुर - स्थापना - 1993 ई.

इस संस्था द्वारा सर्वाधिक सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन किया जाता है।

2. जयपुर कत्थक केन्द्र - जयपुर - स्थापना -1978 ई.
3. रविन्द्र मंच- जयपुर - स्थापना -1963 ई.
4. राजस्थान संगीत संस्थान- जयपुर - स्थापना 1950 ई.
5. पारसी रंग मंच - जयपुर - स्थापना-1878 ई.

जयपुर के शासक रामसिंह द्वितीय के द्वारा स्थापित है।

इसे राम प्रकाश थियेटर भी कहा जाता है।

6. पश्चिमी क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र - उदयपुर - स्थापना - 1986 ई.

यह केन्द्र बागौर हवेली में संचालित है।

7. राजस्थान संगीत नाटक अकादमी- जोधपुर - स्थापना 1957
8. राजस्थान साहित्य अकादमी- उदयपुर - स्थापना - जनवरी 1958 ई.।

A UNIT OF M.R.C. GROUP
च्यवन प्रकाशन

राजस्थान के प्रमुख सांस्कृतिक कार्यक्रम स्थल PART-2

- भवानी नाट्यशाला — स्थापना 1921 ई.
  संस्थापक - महाराजा भवानी सिंह
- राजस्थान भाषा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी बीकानेर — स्थापना 1983 ई.
- पं झाबरमल शर्मा शोध संस्थान- जयपुर — स्थापना 2000 ई.
- सद्दीक़ खा मांगनियार लोक कला एवं अनुसंधान परिषद/ लोकरंग - जयपुर — स्थापना -2002 ई
- भारतीय लोक कला मण्डल -उदयपुर — स्थापना - 1952 ई.
  संस्थापक - देवी लाल सांभर
- मारवाड़ नाटक संस्थान/मारवाड़ लोक कला मण्डल -जोधपुर — स्थापना- 1897 ई.
  संस्थापक-लक्ष्मण दास डांगी
- मरुधर लोक कला मण्डल
  संस्थापक - गणपत लाल डांगी
  गणपत लाल डांगी को "गीगला रा बापू" कहते हैं।
- रुपायन संस्थान:- बोरुन्दा (जोधपुर ग्रामीण) — स्थापना:- 1960 ई.
  संस्थापक - कोमल कोठारी

FACTS 95

GGD OPD

FACTS 96

विश्व शिक्षक दिवस

- विश्व शिक्षक दिवस 5 अक्टुबर को मनाया जाता है।
- विश्व शिक्षक दिवस मनाने की शुरूआत 1994 से हुई ।
- यह दिवस शिक्षकों की स्थिति के संबंध में 1996 में अन्तर्राष्ट्रीय श्रम संगठन व यूनेस्कों की सिफारिश को अपनाने की सालगिरह के जश्न के रूप में मनाया जाता है।
- विश्व शिक्षक दिवस अन्तर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (120) यूनीसेफ व एजुकेशन इंटरनेशनल () के साथ साझेदारी में आयोजित किया जाता है।
- विषय/थीम (2023) : "हमें जो शिक्षा चाहिए इसके लिए शिक्षकों की आवश्यकता शिक्षकों की कमी को दूर करने की वैश्विक अनिवार्यता"

A UNIT OF M.R.C. GROUP
च्यवन प्रकाशन

राजस्थान की विभिन्न शैलियों के कलाकार

किशनगढ़ शैली
मोरध्वज निहालचन्द, अमीरचन्द, बदनसिंह ,सवाईराम, सीताराम, नानकराम, भंवरलाल, लाड़ली दास, सूरध्वज,सूरतराम, सूरजमल, रामनाथ, तुलसीदास, धन्ना व छोटू

मारवाड़ शैली
देवदास, शिवदास, भाटी किशनदास, भूत भाटी, अमरदास भाटी, शिवदास, शंकरदास, वीरजी, नारायणदास, जीतमल, दाना भाटी, माधोदास, रामसिंह भाटी, सतिदास, डालचंद ,कालूराम व सरताज

नाथद्वारा शैली
खूबीराम, घासीराम, रेवाशंकर ,पुरुषोत्तम, नारायण, उदयराम, चतुर्भुज, बाबा रामचंद्र, रामलिंग, चंपालाल, विट्ठल दास, हीरालाल व रामगोपाल विजयवर्गीय नोट:- कमला व इलायची महिला चित्रकार थी।

मेवाड़ शैली
गंगाराम, भैरुराम, कृपाराम, साहिबदीन, मनोहर, उमरा, जीवाराम, श्योबक्स, शिवदत्त व नासिरुद्दीन

FACTS 97

GGD™ OPD

FACTS 98

राजस्थान की विभिन्न शैलियों के कलाकार

अलवर शैली
मंगलसेन, मूलचंद, गुलाम अली, सालिगराम, नन्दराम, बलदेव, जमुनादास, डालचन्द व छोटे लाल

अजमेर शैली
रामसिंह भाटी, चांद, नारायण भाटी तैय्यब* उस्ना व साहिबा स्त्री चित्रकार थी।

बूँदी शैली
रामलाल, अहमद अली, श्रीकिशन, साधुराम व सुर्जन

जयपुर शैली
सालिगराम, लक्ष्मणराम व साहिबराम

कोटा शैली
गोविन्दराम, लक्ष्मीनारायण, डालूराम, नूर मोहम्मद, लालचन्द व रघुनाथ दास

बीकानेर शैली
अली रजा, हसन, रामलाल, हामिद रुकनुद्दीन, गंगाराम व मथेरण कला के चित्रकार।

A UNIT OF M.R.C. GROUP
च्यवन प्रकाशन

जंवाई बांध

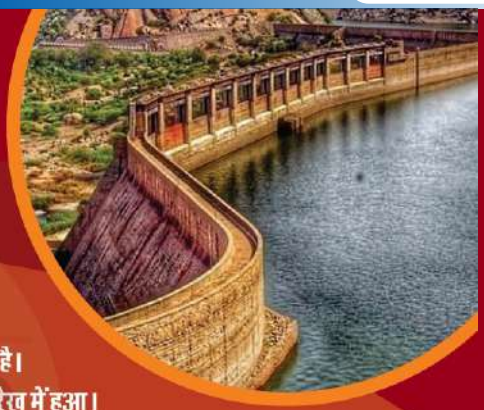

- मारवाड़ का अमृत सरोवर कहलाता है।
- इसकी नींव 13 मई 1946 को जोधपुर महाराजा उम्मेद सिंह ने रखी।
- यह लूनी की सहायक नदी जवाई पर पाली में स्थिति है।
- इसका निर्माण इंजिनियर एडगर व फर्गुसन की देखरेख में हुआ।
- यह पाली व जोधपुर में जलापूर्ति का मुख्य स्त्रोत है।
- राजस्थान के गठन के पश्चात 1956 में यह बांध अभियंता मोती सिंह की देखरेख में पूर्ण हुआ।
- सेई बांध, उदयपुर का प्रथम बार जल 9 अगस्त 1977 को जंवाई बांध में डाला गया।
- जवाई बांध की जल क्षमता बढ़ाने के लिए 1971 में सेई बांध परियोजना बनाई गई।
- उदयपुर की कोटड़ा तहसील में बने सेई बांध से पानी जवाई बांध में लाने के लिए पहाड़ से 7 किमी. लम्बी सुरंग बनाई गई
- जंवाई बांध जल अभयारण की दृष्टि से पश्चिमी राजस्थान का सबसे बड़ा बांध हैं।

FACTS 99 | GGD | OPD | FACTS 100

एशियाई खेल 2022 2023

- संस्करण - 19 वां
- आयोजन - 23 सितम्बर से 08 अक्टूबर 2023
- आयोजन स्थल - हांगझोऊ (चीन)
- शुंभकर - चेनचेन, कांगकॉन्ग व लियानलियन

नोट = इन तीनों शुंभकर को मेमोरीज ऑफ जियांगन नाम दिया गया

- ✓ एशियाई गेम्स के उद्घाटन समारोह में भारत के ध्वजवाहक हरमनप्रीत सिंह व लवलीना बोरगोहेन थे
- ✓ 19 वें एशियाई खेलों के लिए अमूल कम्पनी को भारतीय दल के ऑफिसियल स्पॉन्सर नामित किया गया
- ✓ भारत की तरफ से 655 खिलाड़ियों ने भाग लिया।
- ✓ भारत ने एशियाई खेल 2023 में 28 स्वर्ण, 38 रजत व 41 कांस्य पदक के साथ कुल 107 पदक जीते
- ✓ भारत एशियाई खेलों की पदक तालिका में चौथे स्थान पर रहा। चीन 382 पदक के साथ पहले स्थान पर रहा।
- ✓ एशियन गेम्स 2023 में पहला गोल्ड मेडल पुरूष शूटिंग टीम (10 मीटर एयर राइफल) ने जीता
- ✓ 10 मीटर एयर राइफल में रूद्रांश पाटिल, ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर व दिव्यांश सिंह पंवार की टीम ने जीता
- ✓ एशियाई खेलों का आयोजन 4 वर्ष के अंतराल में किया जाता है
- ✓ समापन - 8 अक्टुम्बर 2023 को
- ✓ समापन समारोह में भारत के ध्वजवाहक पी. आर. श्रीजेश थे

A UNIT OF M.R.C. GROUP च्यवन प्रकाशन

अन्तर्राष्ट्रीय बालिका दिवस

- 11 अक्टूबर को अन्तर्राष्ट्रीय बालिका दिवस मनाया जाता है।
- कनाडा सरकार ने एक आम सभा में अन्तर्राष्ट्रीय बालिका दिवस मनाने का प्रस्ताव रखा।
- 19 दिसम्बर 2011 को संयुक्त राष्ट्र महासभा ने इस प्रस्ताव को पारित कर दिया।
- वर्ष 2011 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 11 अक्टूबर को अन्तर्राष्ट्रीय बालिका दिवस के रूप में घोषित करने हेतु संकल्प 66/170 को अपनाया।
- 11 अक्टूबर 2012 को पहली बार अन्तर्राष्ट्रीय बालिका दिवस मनाया गया।
- थीम (2023) :- "लड़कियों के अधिकारों में निवेश : हमारा नेतृत्व और कल्याण"
- भारत में राष्ट्रीय बालिका दिवस 24 जनवरी को मनाया जाता है।

FACTS 101

GGD OPD

FACTS 102

राजस्थान सरकार की प्रमुख नीतियाँ PART-1

- राजस्थान की प्रथम राज्य महिला नीति :- 8 मार्च 2000
- नवीनतम राजस्थान राज्य महिला नीति :- 11 अप्रैल 2021 (कस्तूरबा जयंती पर) लक्ष्य - 2030 सतत विकास
- M - सैंड नीति : 25 जनवरी 2021
  राजस्थान (manufacturing) - सैंड नीति जारी करने वाला भारत का पहला राज्य बना
- राजस्थान पर्यटन नीति - 27 सितंबर 2001 पर्यटन नीति जारी करने वाला भारत का पहला राज्य बना
- नवीन पर्यटन नीति अधिसूचना :- 9 सितंबर 2020 को जारी
- गेस्ट हाउस स्कीम : 16 अप्रैल 2021
- पेइंग गेस्ट हाउस स्कीम : 21 अक्टूबर 2021 (ध्यान रहे - पेइंग गेस्ट योजना - 1991)
- प्रथम सौर ऊर्जा नीति - 13 अप्रैल 2011
  राजस्थान सौर नीति जारी करने वाला भारत का पहला राज्य बना
- नवीन सौर ऊर्जा नीति 2019-18 दिसंबर 2019
  लक्ष्य :- नवीन सौर ऊर्जा नीति का लक्ष्य 2024 तक 30000 मेगावाट ऊर्जा सौर ऊर्जा के माध्यम से उत्पादन करना है
- प्रथम पवन ऊर्जा नीति : 2000
- नवीन पवन और हाइब्रिड ऊर्जा नीति - 18 दिसंबर 2019
- इको टूरिज्म नीति - 15 जुलाई 2021
- सिलिकोसिस नीति :- 3 अक्टूबर 2019 सिलिकोसिस नीति जारी करने वाला भारत का पहला राज्य हरियाणा जबकि दूसरा राजस्थान है

A UNIT OF M.R.C. GROUP
च्यवन प्रकाशन

19वें एशियाई खेल

पार्ट - 2

एशियाई ओलंपिक परिषद्

:: स्थापना ::
16 नवम्बर 1982,
नई दिल्ली
:: मुख्यालय ::
कुवैत सिटी
:: सदस्यता ::
45 राष्ट्रीय
ओलंपिक समितियाँ
:: अध्यक्ष ::
शेख तलाल
फहद अल सबाह

- 19 वें एशियाई गेम्स में भारत की ओर से क्रिकेट को पहली बार शामिल किया गया।
- भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने श्रीलंका को हराकर गोल्ड मैडल जीता।
- भारतीय पुरूष क्रिकेट टीम ने भी स्वर्ण पदक जीता।
- एशियाई गेम्स 2023 में भारत ने सर्वाधिक पदक एथलेटिक्स में (29 पदक) जीते।
- एशियाई गेम्स 2023 में भारत ने सर्वाधिक स्वर्ण पदक निशानेबाजी में जीते।
- भारतीय पुरूष हॉकी टीम - स्वर्ण पदक
- भारतीय महिला हॉकी टीम - कांस्य पदक
- नीरज चौपड़ा ने 88.88 मीटर के साथ स्वर्ण पदक जीता।

अन्य विशेष:-

- भारत में अब तक 2 बार एशियाई खेलों का आयोजन हुआ।
- पहली बार आयोजन (भारत में) - 1951
- दूसरी बार - 1982 नई दिल्ली
- एशियन गेम्स का प्रतीक चिन्ह : Bright full rising Sun (चमकता सूरज)
- आदर्श वाक्य - दिल से दिल @ भविष्य
- 20 वां एशियाई गेम्स 2026 में नगोया (जापान) में होगा।

FACTS 103

GGD™ OPD

FACTS 104

राजस्थान सरकार की प्रमुख नीतियाँ PART-2

- **प्रथम वन नीति** :- फरवरी 2010 राजस्थान पहला राज्य था जिसने अपनी स्वयं की वन नीति अपनाई
- **सड़क विकास नीति** - 2013 प्रथम - 1994 राजस्थान पहला राज्य जिसने स्वयं की सड़क विकास नीति अपनाई
- **नवीनतम खनिज नीति (पांचवी)** : 4 जून 2015 प्रथम खनिज नीति - 1978
- **राजस्थान पशुधन एवं डेयरी विकास नीति** :- 2019
- **मुख्यमंत्री दुग्ध उत्पादक संबल योजना**
- **राजस्थान कृषि प्रसंस्करण व्यवसाय निर्यात एवं प्रोत्साहन नीति**:- 17 दिसंबर 2019
- राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 22 जुलाई 2020 प्रारुप तैयार किया :
  के **कस्तूरीरंगननई शिक्षा नीति** लागू करने वाला पहला राज्य हिमाचल प्रदेश है
- **राजस्थान एथेनॉल प्रोडक्शन नीति** 15 दिसंबर 2021 से लागू केंद्र सरकार द्वारा पेट्रोलियम पर निर्भरता कम करने के लिए पेट्रोल में 20% एथेनॉल मिलाने की मजूरी दी है वर्तमान में 10% एथेनॉल मिलाया जा रहा है
- **फिल्म पर्यटन प्रोत्साहन नीति** 8 अप्रैल 2022 **राजस्थान MSME नीति** : 17 सितंबर 2022 को लागू
- राजस्थान MSME दिवस 17 सितंबर को मनाया जाता है ॥
- **करौली जिले** को वर्ष 2022 में एमएसएमई क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने पर राष्ट्रीय पुरस्कार मिला है
- **राजस्थान औद्योगिक विकास नीति** 1 जुलाई 2019 से लागू

विश्व विद्यार्थी दिवस

- विश्व विद्यार्थी दिवस - 15 अक्टूबर
- संयुक्त राष्ट्र संघ ने 15 अक्टूबर 2010 को डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम के 79 वें जन्मदिन के उपलक्ष्य में विश्व छात्र दिवस मनाने की घोषणा की।
- प्रथम बार 15 अक्टूबर 2010 को मनाया गया।
- थीम : यदि आप असफल होते है, तो कभी हार न माने क्योंकि फेल का अर्थ है सीखने का पहला प्रयास
- राष्ट्रीय विद्यार्थी दिवस - 9 जुलाई
- अन्तर्राष्ट्रीय विद्यार्थी दिवस - 17 नवम्बर

डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम

- जन्म - 15 अक्टूबर 1931 ई. को धनुष कोडी, रामेश्वरम (तमिलनाइ)
- पूरा नाम : अबुल पाकिर जैनुलाब्दीन अब्दुल कलाम
- 2002 में भारत के राष्ट्रपति बने।

FACTS 105

GGD™ OPD

FACTS 106

चित्रकला के विकास हेतु कार्यरत संस्थाएं

1.	कलावृत	जयपुर
2.	पैग	- जयपुर
3.	राजस्थान ललित कला अकादमी	- जयपुर
4.	टखमण 28	- उदयपुर
5.	प्रोग्रेसिव आर्टिस्ट ग्रुप	- उदयपुर
6.	चितेरा	- जोधपुर
7.	अंकन	- भीलवाड़ा
8.	आयाम	- जयपुर
9.	क्रिएटिव आर्टिस्ट ग्रुप	- जयपुर
10.	पश्चिमी क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र	- उदयपुर
11.	तुलिका कलाकार परिषद्	- उदयपुर
12.	आज	- उदयपुर
13.	धोराँ	- जोधपुर

GGD OPD FACTS 107

रामस्नेही सम्प्रदाय

- प्रवर्तक - रामचरण जी (बचपन का नाम रामकिशन था)
- शाखाएँ - 4 (1) शाहपुरा - शाहपुरा (2) रैण (नागौर) (3) सिंहस्थल - बीकानेर (4) खेड़ापा - जोधपुर ग्रामीण
- संत रामचरण जी ने शाहपुरा में 1760 ई. में रामस्नेही सम्प्रदाय की स्थापना की। शाहपुरा नरेश रणसिंह ने रामचरण जी के रहने के लिए छतरी का निर्माण

शाखा	संस्थापक गुरू	गुरू का नाम	ग्रंथ	विशेष
शाहपुरा (शाहपुरा)	संत रामचरण जी जन्म सोडा ग्राम मालपुरा	संत कृपाराम (बांतड़ा)	अणभैवाणी/ अर्णभवाली (ब्रज भाषा में)	चैत्र कृष्ण एकम से पंचमी तक फूलडोल महोत्सव का आयोजन
रैण शाखा (नागौर)	संत दरियाव जी जन्म - जैतारण (स्यावर)	संत प्रेमनाम/बालकनाथ	–	संत दरियाव जी ने राम में 'रा' को राम व 'म' को मुहम्मद का प्रतीक बताया।
खेडाया शाखा (जोधपुर ग्रामीण)	संत रामदास जन्म - भीकमकोर (फलौदी)	संत हरिराम दास जी (सिंहथल)	–	–
सिंहथल शाखा (बीकानेर)	संत हरिराम दास जी जन्म - सिंहथल	संत जैमल दास जी	निशानी	–

- रामस्नेही सम्प्रदाय के मंदिर को रामद्वारा कहा जाता है।
- रामस्नेही सम्प्रदाय के संत गुलाबी वस्त्र पहनते है।

GGD OPD FACTS 108

एकादशी स्पेशल

च्यवन प्रकाशन

निर्जला एकादशी
ज्येष्ठ शुक्ल एकादशी

तुलसी एकादशी
कार्तिक कृष्ण एकादशी - इसे रमा एकादशी भी कहा जाता है।

गीता जंयती
मार्गशीर्ष शुक्ल एकादशी

योगिनी एकादशी
आषाढ़ कृष्ण एकादशी

देवशयनी एकादशी
आषाढ़ शुक्ल ग्यारस - इस दिन देवता चार माह के लिए निंद्रावस्था में चले जाते है व चार माह तक कोई मांगलिक कार्य नही होता है। इसे हरिप्रबोधिनी एकादशी व लाड़ी बोहिनी भी कहा जाता है।

जलजूलनी एकादशी
भाद्रपद शुक्ल एकादशी -इसे देवजूलनी एकादशी भी कहा जाता है। इस दिन देवताओं की मूर्तियों को स्नान हेतु लाया जाता हैं मण्डपिया व गढबोर में झांकिया निकाली जाती है।

देवउठनी एकादशी-
कार्तिक शुक्ल एकादशी -- इसे प्रबोधिनी एकादशी भी कहा जाता है। -चार माह सोकर देवता इस दिन उठते है ऐसी मान्यता है। - इस दिन भगवान सालिगराम का विवाह तुलसी से करते है।

कामिका एकादशी
श्रावण कृष्ण एकादशी इस दिन भगवान विष्णु की पूजा की जाती है।

- चैत्र कृष्ण एकादशी को चितौड़गढ़ में जौहर मेले का आयोजन होता है।
- भाद्रपद शुक्ल एकादशी व द्वादशी को सारणेश्वर महादेव मेला लगता है।
- भाद्रपद शुक्ल एकादशी को अजारी गांव (सिरोही) में मारकण्डेश्वर मेला व उमरनी गांव (सिरोही) में ऋषिकेश महादेव मेला लगता है।

पूर्णिमा स्पेशल

- **हनुमान जयंती** :- चैत्र शुक्ल पूर्णिमा - **संत पीपा की जयंती** इसी दिन है।
- **बुद्ध पूर्णिमा** :- वैशाख शुक्ल पूर्णिमा इसे पीपा पूर्णिमा कहा जाता है। महात्मा बुद्ध का जन्म, ज्ञान की प्राप्ति तथा मोक्ष की प्राप्ति इसी दिन हुई।
- **गुरु पूर्णिमा** :- आषाढ़ शुक्ल पूर्णिमा इसे व्यास पूर्णिमा, कोकिला व्रत पूर्णिमा व शिव शयनोत्सव भी कहा जाता है।
- **रक्षाबंधन** :- श्रावण पूर्णिमा - श्रावण पूर्णिमा को नारियल पूर्णिमा भी कहा जाता है। - इस दिन ब्राह्मणों का यज्ञोपवित संस्कार (जनेऊ धारण होता है)
- **शरद पूर्णिमा** :- अश्विन पूर्णिमा - इसे रास पूर्णिमा कहा जाता है।
- **त्रिपुर पूर्णिमा** - कार्तिक पूर्णिमा - इसे सत्यनारायण पूर्णिमा भी कहा जाता है।
- **होलिका दहन** :- फाल्गुन पूर्णिमा

नोट : भाद्रपद पूर्णिमा से अश्विन अमावस्या तक श्राद्ध पक्ष होता है।

A UNIT OF M.R.C. GROUP
च्यवन प्रकाशन

FACTS 109

FACTS 110

पूर्णिमा स्पेशल

चैत्र पूर्णिमा -
1. मेहन्दीपुर बालाजी मेला (दौसा)
2. सालासर बालाजी मेला

वैशाख पूर्णिमा
1. मातृकुण्डिया मेला (राश्मी) 2. गौतमेश्वर मेला (प्रतापगढ़)
3. बाणगंगा मेला (बैराठ) 4. गोमती सागर मेला (झालरापाटन)

अश्विन पूर्णिमा
1. मानगढ़ धाम मेला (बांसवाड़ा)
2. मीरा महोत्सव (चितौड़गढ़

कार्तिक पूर्णिमा
1. कपिलधारा मेला (बारां) 2. चन्द्रभागा मेला (झालरापाटन) 3. पुष्कर मेला (पुष्कर) 4. कपिलमुनि का मेला (कोलायत) 5. गुरु नानक जयंती

माघ पूर्णिमा - बेणेश्वर मेला

फाल्गुन पूर्णिमा 1. होली 2. तिलस्वां मेला (भीलवाड़ा)

GGD OPD FACTS 111

अमावस्या स्पेशल

वट सावित्री व्रत/बड़मावस :- ज्येष्ठ अमावस्या इस दिन बारां में सीताबाड़ी मेले का आयोजन होता है।

हरियाली अमावस्या :- श्रावण अमावस्या श्रावण अमावस्या के दिन मांगलियावास में कल्प वृक्ष का मेला लगता है। अनूपगढ़ जिले में गुरूद्वारा बुड़ढ़ा जोहड़ मेला लगता है।

सतिया अमावस :- भाद्रपद अमावस्या इस दिन घर की सतियों की पूजा की जाती है।

दीपावली :- कार्तिक अमावस्या कार्तिक अमावस्या के दिन महावीर स्वामी व दयानन्द सरस्वती का निर्वाण हुआ।

मौनी अमावस्या :- माघ अमावस्या

चैत्र अमावस्या :- घोटिया अम्बा मेला (बांसवाड़ा) -

A UNIT OF M.R.C. GROUP
च्यवन प्रकाशन

GGD OPD FACTS 112

कालबेलिया नृत्य

- कालबेलिया नृत्य कालबेलिया जाति की **महिलाओं द्वारा** किया जाता है। कालबेलिया जाति का **दूसरा नाम 'सपेरा'** भी है।
- कालबेलिया नृत्य को 2010 में **यूनेस्कों द्वारा अमूर्त विरासत सूची में** शामिल किया गया।
- **गुलाबों** कालबेलिया जाति की प्रमुख नृत्यांगना है।

- **शंकरिया नृत्य**:- यह प्रेम कहानी पर आधारित युगल नृत्य है।
- इस नृत्य के प्रमुख कलाकार **कंचन सपेरा, गुलाबों, कमली व राजकी** है।
- **पणिहारी नृत्य**:- पणिहारी लोकगीत पर आधारित युगल नृत्य है।
- **बागड़िया नृत्य**:- कालबेलिया स्त्रियों द्वारा भीख मांगते समय चंग वाद्य यंत्र के साथ किया जाता है।
- **इण्डोणी नृत्य**:- खंजरी व पूंगी वाद्य यंत्रों के साथ
- कालबेलिया स्त्री-पुरुषों द्वारा **गोलाकार पथ** में किया जाने वाला नृत्य है।

FACTS 113

राजस्थान में पड़ने वाले प्रमुख अकाल

- ✓ **अन्न अकाल** — कृषि उपज का न होना
- ✓ **जल अकाल** — जल का अभाव
- ✓ **तृणकाल** — घास व चारे का अभाव
- ✓ **त्रिकाल** — उपरोक्त तीनों का अकाल
- ✓ **चालीसा अकाल** — यह 1783 में पड़ा
- ✓ **पंचकाल** — यह 1812-13 में पड़ा।
- ✓ **छप्पनया काल** — वि. संवत 1956 (1899 ई.) में पड़ा
- ✓ **सहसा भादुसा अकाल** — वि. संवत 1899 - 1900 में पड़ा
- ✓ **मेक्रो ड्राउट काल** — 2002-03 में / इसे वृहतकाल भी कहते हैं।
- ✓ **स्थाई पाहुपा** — अनावृष्टि के कारण उत्पन्न काल

A UNIT OF M.R.C. GROUP
च्यवन प्रकाशन

FACTS 114

भील जनजाति से संबंधित शब्दावली

1	अटक	-	भीलों का गौत्र
2	कू	-	भील जनजाति के घर
3	ढालिया	-	घर का बरामदा
4	फलां	-	भील जनजाति के छोटे घरों का समूह/गांव
5	पाल	-	भीलों के बड़े गांव
6	पालवी	-	पाल का मुखिया
7	गमेती	-	गांवों का मुखिया
8	तदवी/वंसाओ	-	एक ही वंश के भील गांव का मुखिया
9	ढ़ेपाड़ा	-	भील पुरुषों की तंग धोती
10	कछाबू	-	भील जनजाति की महिलाओं द्वारा पहने जाने वाला घाघरा
11	सिन्दूरी	-	भील महिलाओं द्वारा शादी के समय पहनें जाने वाली लाल रंग की साड़ी
12	पीरिया	-	भील स्त्रियों द्वारा शादी के समय पहने जाने वाला पीले रंग का लहंगा
13	फालू	-	भीलों द्वारा कमर पर बांधे जाने वाला अंगोछा
14	डाम	-	भीलों में रोगों का ठीकरी के माध्यम से उपचार की पद्धति
15	चिमाता	-	भील जनजाति द्वारा पहाड़ी ढ़ालों पर की जाने वाली स्थानान्तरित कृषि
16	दजिया	-	भील जनजाति द्वारा मैदानी भागों पर की जाने वाली स्थानान्तरित कृषि
17	डाहल	-	गांव का सबसे बुजुर्ग व्यक्ति

GGD OPD FACTS 115 राजस्थान की प्रमुख सभ्यताएं

1	कालीबंगा सभ्यता	हनुमानगढ़	घग्घर नदी	12	ओझीयाना सभ्यता	ब्यावर
2	आहड़ सभ्यता	उदयपुर	आयड़ नदी	13	सौंथी सभ्यता	बीकानेर
3	गणेश्वर सभ्यता	नीम का थाना	कांतली नदी	14	गरदड़ा सभ्यता	बूंदी
4	बैराठ सभ्यता	कोटपुतली - बहरोड़	बाणगंगा नदी	15	कुराड़ा सभ्यता	डीडवाना-कुचामन
5	जोधपुरा सभ्यता	कोटपुतली बहरोड़	साबी नदी	16	बालाथल सभ्यता	उदयपुर
6	तिलवाड़ा सभ्यता	बालोतरा	लूणी नदी	17	नलियासर सभ्यता	सांभर
7	बागोर सभ्यता	भीलवाड़ा	कोठारी नदी	18	नगरी सभ्यता	चितौड़
8	रैढ़ सभ्यता	टोंक	ढ़ील नदी	19	ईसवाल सभ्यता	उदयपुर
9	गिलूण्ड सभ्यता	राजसमंद	बनास नदी	20	सुनारी सभ्यता	नीमकाथाना
10	सुनारी सभ्यता	नीमकाथाना	कांतली नदी	21	मलाह सभ्यता	भरतपुर
11	नोह सभ्यता	भरतपुर	रुपारेल नदी	22	नगर सभ्यता	टोंक
				23	रंगमहल सभ्यता	हनुमानगढ़

A UNIT OF M.R.C. GROUP

GGD OPD FACTS 116 राजस्थान की सभ्यताएं

सभ्यता	खोजकर्त्ता	वि.वि.
1. कालीबंगा सभ्यता	अमलानंद घोष (1952-53)	उत्खनन - बी.वी लाल व बी.के. थापर (1961-62) अन्य: श्री एम.डी. खरे, के.एम.श्रीवास्तव, एम.पी श्रीवास्तव
2. आहड़ सभ्यता	अक्षय कीर्ति व्यास (1953)	उत्खनन: रतनचन्द्र अग्रवाल (1955-56) एच.डी. सांकलिया (1961-62)
3. गणेश्वर सभ्यता	रतनचन्द्र अग्रवाल (1972)	उत्खनन: आर.सी. अग्रवाल 1977 व श्री विजय कुमार (1978-79)
4. बैराठ सभ्यता	रायबहादुर दयाराम साहनी (1937)	उत्खनन: नीलरत्न बनर्जी व कैलाशनाथ दीक्षित (1962-63)

A UNIT OF M.R.C. GROUP
च्यवन प्रकाशन

GGD OPD FACTS 117 सभ्यताएं व उनके उत्खनन कर्त्ता

गिलूण्ड सभ्यता - प्रो. बी.वी. लाल (1957-58)
बालाथल सभ्यता - डॉ. वी.एन.मिश्र, डॉ. वी. एस. शिंदे, डॉ. आर. के. मोहंती, डॉ. देव कोठारी (1979/1993)
नोट: बालाथल सभ्यता की खोज 1962-63 ई. में डॅ. वी.एन. मिश्र ने की।
रंगमहल सभ्यता - डॉ. हन्नारिड के नेतृत्व में (1952/1993)
जोधपुरा सभ्यता - आर. सी. अग्रवाल व विजय कुमार (1972-73)
नगरी सभ्यता - डॉ. डी.आर. भण्डारकर (1904)
रैढ़ सभ्यता - दयाराम साहनी (1938-39) श्री केदारनाथ पूरी (1938-40)
नोह सभ्यता - श्री रतन चन्द्र अग्रवाल व डॉ. डेविडसन (1963-67)
भीनमाल सभ्यता - श्री रतनचन्द्र अग्रवाल(1953-54)
सौंथी सभ्यता - अमलानन्द घोष (1953)
तिलवाड़ा सभ्यता - डॉ. वी.एन. मिश्र (1967-68)

A UNIT OF M.R.C. GROUP
च्यवन प्रकाशन

GGD OPD FACTS 118 दूध और दूध से संबंधित

- श्वेत क्रांति - दूध उत्पादन से संबंधित है।
- इसे ऑपरेशन फ्लड के नाम से भी जाना है।
- श्वेत क्रांति की शुरुआत 1970 मे हुई। (आनंद गुजरात)
- श्वेत क्रांति का जनक डॉ वर्गीज़ जे कुरियन है।

- दूध उत्पादन मे राजस्थान देश मे दुसरे स्थान पर है।
- दूध का रंग सफ़ेद केसीन प्रोटीन के कारण होता है
- दूध मे मीठापन लेक्टोज के कारण होता है।
- दूध का लाल रंग पशु के थनेला रोग के कारण होता है।
- दूध मे पीलापन केरोटिन की वजह से होता है।
- ऊँटनी का दूध मधुमेह रोग मे उपयोगी होता है।
- बकरी का दूध क्षय रोग मे उपयोगी है।
- दूध मे सबसे ज़्यादा घटने बढ़ने वाला अवयव वसा है उससे दूध का मूल्य निर्धारित होता है।
- दूध मे न्यूनतम वसा 3.25% व वसा रहित ठोस प्रदार्थ की मात्रा 8.5% होनी चाहिए।
- दूध मे उपस्थित विटामिन बी कॉम्प्लेक्स व विटामिन सी जल मे घुलनशील व 3 विटामिन ए,डी,ई,के वसा मे घुलनशील होते है।
- दूध मे पशु की जाति व नस्ल के अनुसार 80-89% तक पानी होता है।

नोट - वर्तमान में दुध उत्पादन में उत्तर प्रदेश प्रथम है।

A UNIT OF M.R.C. GROUP
च्यवन प्रकाशन